CWDL-4

00971

CERTIFICATE PROGRAMME IN EMPOWERING WOMEN THROUGH SELF-HELP GROUPS

Term-End Examination

June, 2010

CWDL-4 : TOWARDS SUSTENANCE OF SELF-HELP GROUPS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt **any five** questions. All questions carry **equal** marks.*

---

1. (a) Discuss the need to frame rules and procedures in the case of self help groups. **8**

(b) Explain the guidelines for framing rules and procedures. **6**

(c) Describe loan sanctioning in self help groups. **6**

2. (a) Why should a self help group have management skills ? Explain in detail. **10**

(b) Discuss the role of a facilitator in providing support to groups. **10**

3. (a) Discuss the guidelines for credit activity in self help groups. What are the credit-related practices that facilitators should encourage and discourage ? **15**

(b) Differentiate between productive and non-productive loans giving suitable examples. 5

4. (a) What is the need for record keeping by self help groups ? Explain in brief. 5

(b) Discuss the types of records which need to be maintained by a self help group. 15

5. (a) Discuss the meaning and key features of sustainability in the context of self help groups. 15

(b) List the three types of sustainability. Write examples for each type. 5

6. Discuss economic, socio-cultural and political sustainability in the context of self help groups. Support your answer with suitable examples. 20

7. What are the facilitating and limiting factors for sustainability of groups ? Explain in detail. 20

8. Write short notes on ***any four*** of the following : 5+5+5+5

(a) Agencies for networking.

(b) Sustainability and microcredit.

(c) Process of group sustainability.

(d) Types of rules and procedure in SHGs.

(e) Purpose of group savings.

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

सी.डब्ल्यू.डी.एल.-4 : स्व-सहायता समूहों का प्रबंध एवं स्थायित्व

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के **समान** अंक हैं।*

1. (a) स्व सहायता समूहों के मामले में नियम एवं कार्यविधियॉ बनाने की आवश्यकता के बारे में लिखिए। 8

   (b) नियम एवं कार्यविधियाँ बनाने के दिशा-निर्देशों का वर्णन कीजिए। 6

   (c) स्व सहायता समूहों में ऋण की मंजूरी देने का वर्णन कीजिए। 6

2. (a) स्व सहायता समूह में प्रबंध कौशलों का होना क्यों जरूरी है? सविस्तार वर्णन कीजिए। 10

   (b) समूहों को सहायता प्रदान करने में सहायताकर्ता की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

3. (a) स्व सहायता समूहों में ऋण गतिविधि संबंधी दिशा-निर्देशों की चर्चा कीजिए। ऐसे ऋण संबंधी व्यवहार कौन-कौन से हैं जिन्हें सहायताकर्ता को प्रेरित और हतोत्साहित करना चाहिए? 15

(b) उत्पादनकारी (productive) एवं गैर-उत्पादनकारी (non-productive) ऋणों के अंतर को उचित उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए। 5

4. (a) स्व सहायता समूहों के लिए रिकार्डों का रखरखाव करना क्यों ज़रूरी है? संक्षेप में बताइए। 5

(b) ऐसे विविध प्रकार के रिकार्ड कौन से हैं जिन्हें स्व सहायता समूहों द्वारा बनाए रखना ज़रूरी है? 15

5. (a) स्व सहायता समूहों के संदर्भ में स्थायित्व के अर्थ एवं इसकी मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 15

(b) तीन प्रकार के स्थायित्व को सूचीबद्ध कीजिए। इनमें से प्रत्येक के उदाहरण दीजिए। 5

6. स्व सहायता समूहों के संदर्भ में आर्थिक, सामाजिक - सांस्कृतिक एवं राजनीतिक स्थायित्व की चर्चा कीजिए। अपने उत्तर की पुष्टि उचित उदाहरणों से कीजिए। 20

7. समूहों के स्थायित्व को सुगम एवं सीमित बनाने वाले कारक कौन से हैं? सविस्तार वर्णन कीजिए। 20

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** पर संक्षेप में नोट लिखिए : 5+5+5+5

(a) नेटवर्किंग संबंधी एजेंसियाँ

(b) स्थायित्व एवं सूक्ष्म ऋण

(c) समूह स्थायित्व की प्रक्रिया

(d) एस.एच.जी. में नियमों एवं विनियमों के प्रकार

(e) समूह बचत का उद्देश्य